KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

BY – BALVEER SIR

1857 की क्रांति

अर्थ :- परिवर्तन / बदलाव

1498 - पुर्तगाली

1600

① 1608 → हॉकिन्स

② 1615 टामस रॉ — जहाँगीर

BALVEERSIR

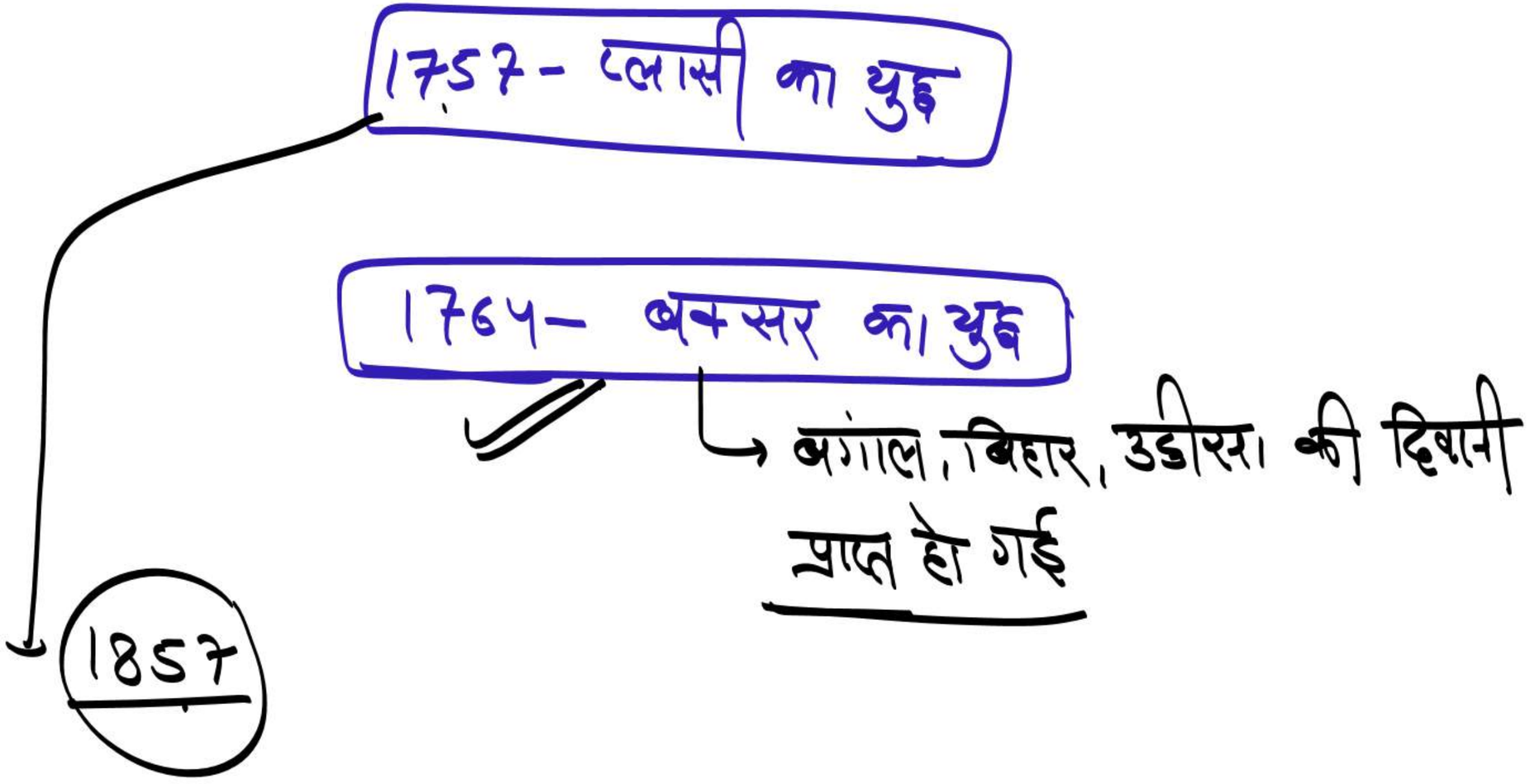

1757- प्लासी का युद्ध

1764- बक्सर का युद्ध

→ बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दिवानी प्राप्त हो गई

1857

BALVEERSIR

1857 की क्रांति के कारण

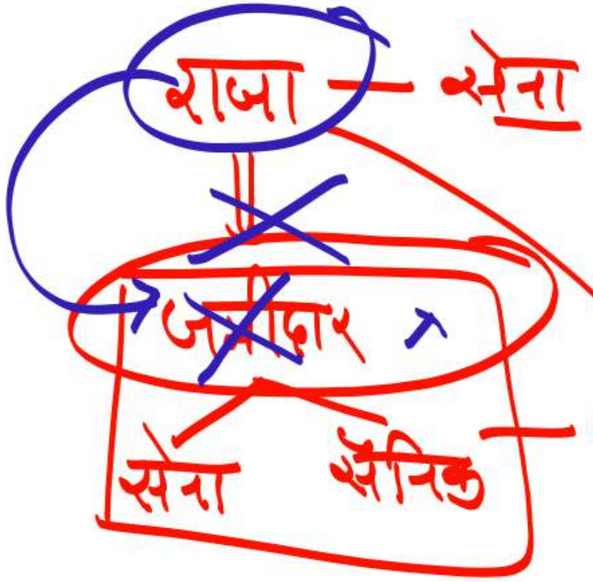

① राजनीतिक कारण :-

लार्ड वेलेजली → सहायक संधि — 1798

शर्त

→ जो राजा सहायक संधि करता था उसे अपनी सेना समाप्त करनी पड़ती थी। उसकी सैन्य आवश्यकता अंग्रेजों द्वारा पूरी होती थी। अंग्रेजी सेना का खर्च राजा उठाएगा।

सहायक संधि करने वाली प्रथम रियासत

① हैदराबाद - 1798

② मैसुर (1799)

③ तंजौर (1799)

④ अवध (1801)

⑤ पेशवा (1802)

डलहौजी — विलय नीति / हड़प नीति / व्यपगत सिद्धान्त / गोद प्रथा निषेध नीति (1848)

→ विलय नीति के तहत हड़पी गयी प्रथम रियासत :
① सतारा (1848)

जैतपुर और सम्भलपुर (1849)

1850 - बघाट

② उदयपुर (M.P.) 1852
③ झाँसी (1853)
④ नागपुर (1854)
⑤ अवध (1856)
↓ कुप्रशासन का आरोप

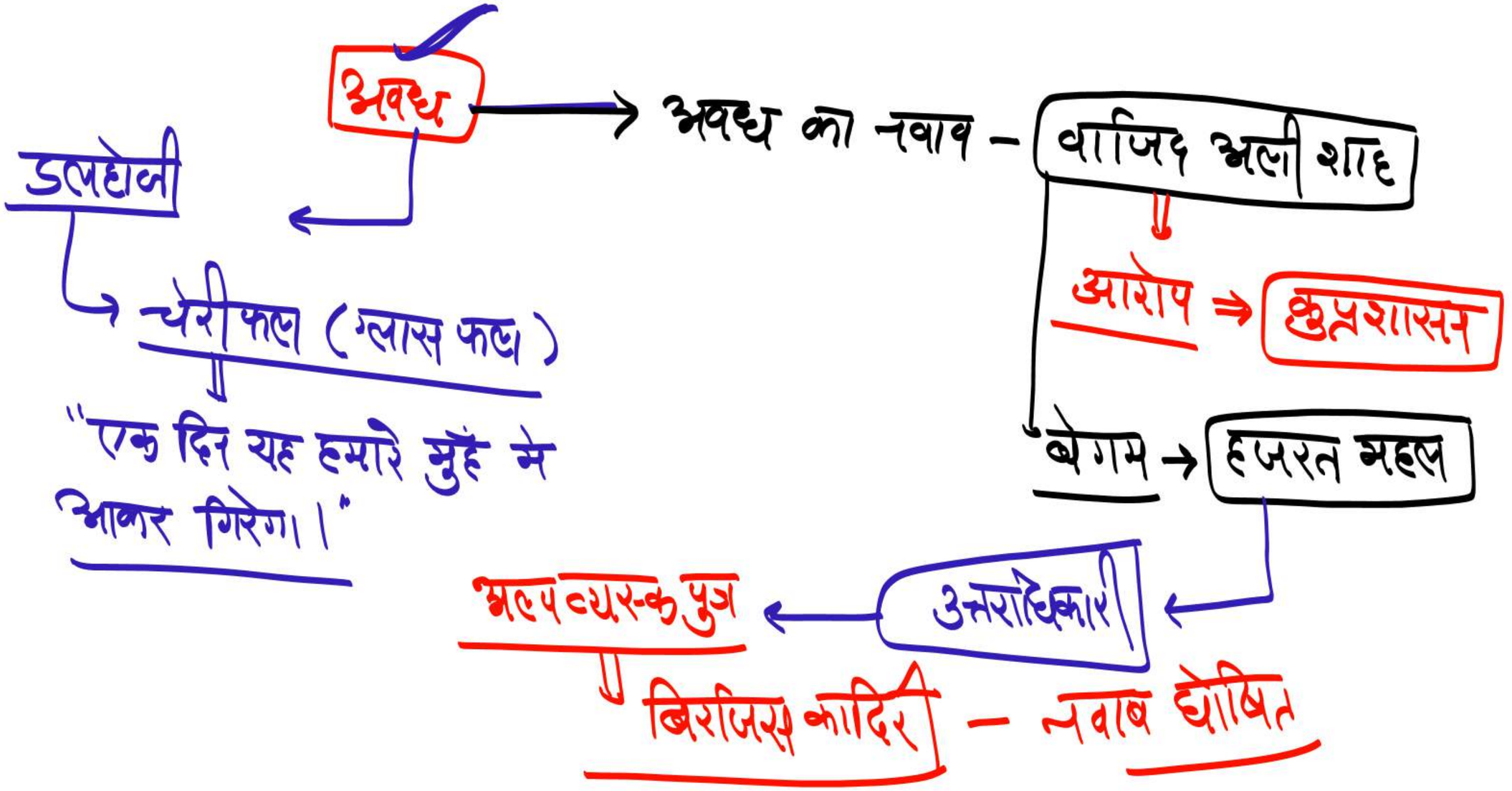
अवध
अवध का नवाब - वाजिद अली शाह
आरोप ⇒ कुप्रशासन
बेगम → हजरत महल
उत्तराधिकार
अल्पवयस्क पुत्र
बिरजिस कादिर - नवाब घोषित
डलहौजी
चेरी फल (ग्लास फल)
"एक दिन यह हमारे मुँह में आकर गिरेगा।"

प्रशासनिक कारण :-

अंग्रेजो की प्रशासनिक व्यवस्था :- भेद भाव पूर्ण

उच्च पदो पर - अंग्रेजो को
निम्न पदो पर - भारतीयो को

} नियुक्त किया गया

रंग / नस्ल के आधार पर भेद भाव

डलहौजी ने - तंजौर व कर्नाटक के नवाबो की उपाधिया जब्त कर ली।

सामाजिक एवं धार्मिक कारण :-

चार्टर एक्ट 1813 → ब्रिटेन से ईसाई मिशनरीयो को भारत मे ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार करने की अनुमति मिल गई।

↓

हिन्दुओ व मुस्लिमो का धर्म परिवर्तन आरम्भ कर दिया।

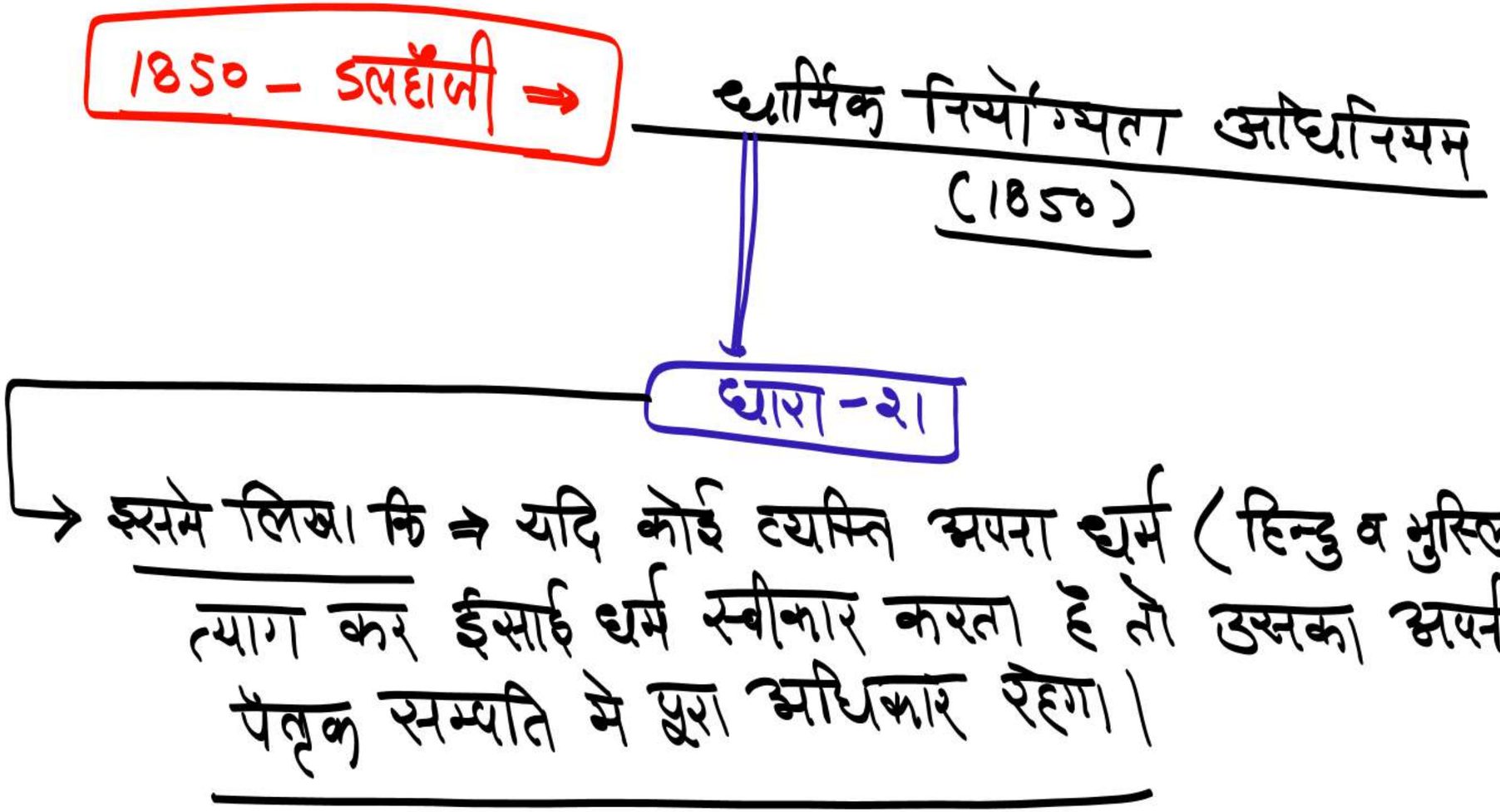

1850 – डलहौजी → धार्मिक निर्योग्यता अधिनियम (1850)

धारा - 2।

→ इसमे लिखा कि ⇒ यदि कोई व्यक्ति अपना धर्म (हिन्दु व मुस्लिम) त्याग कर ईसाई धर्म स्वीकार करता है तो उसका अपनी पैतृक सम्पति मे पूरा अधिकार रहेगा।

समाज सुधार के नाम पर भारतीय परम्पराओ पर प्रतिबंध लगा दिया :-

* बाल - विवाह पर रोक
* सती प्रथा पर रोक
* विधवा पुनर्विवाह प्रारम्भ

आर्थिक कारण :-

① स्थायी बन्दोबस्त :-

कॉर्नवालिस — 1790

1790 — 10 साल के लिए राजस्व निर्धारित किया।

1793 — राजस्व दर स्थायी

1500/-

3500/-

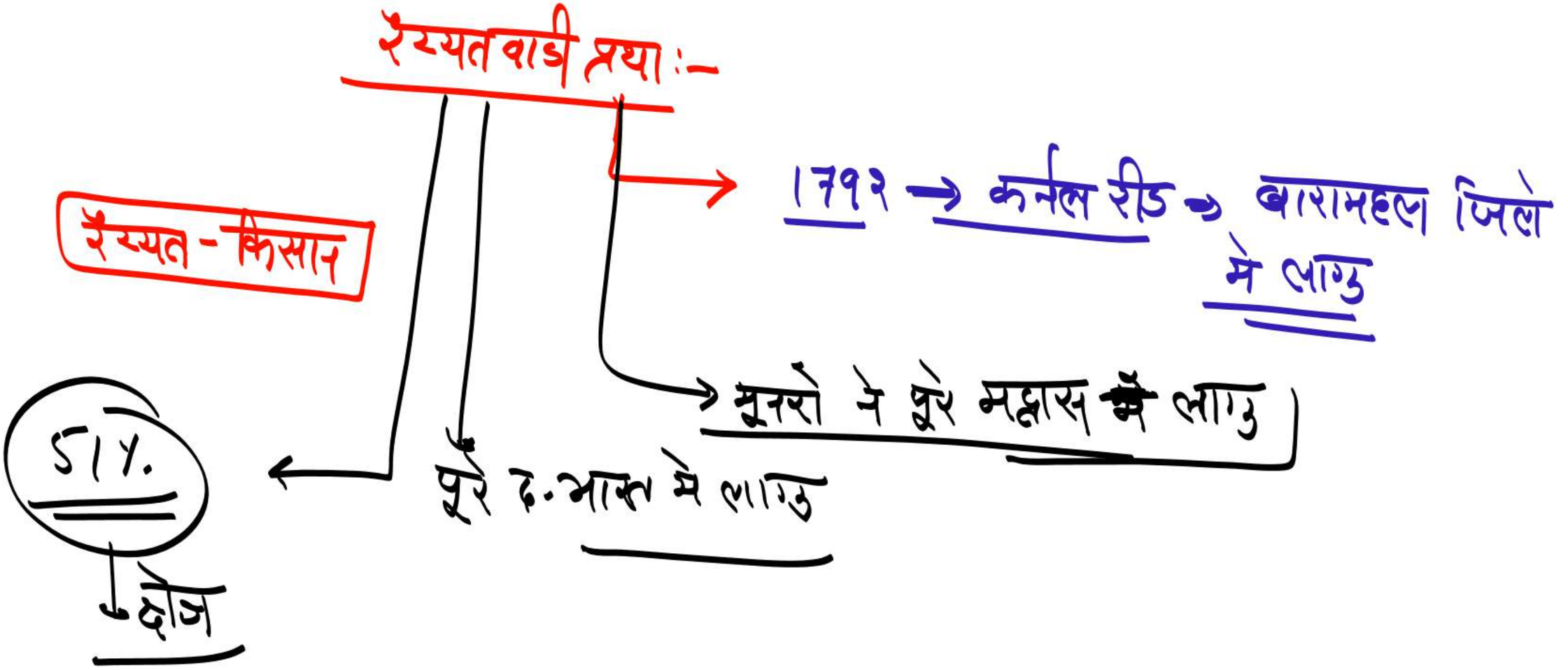

रैय्यतवाडी प्रथा :-

रैय्यत - किसान

- 1792 → कर्नल रीड → बारामहल जिले मे लागु
- मुनरो ने पूरे मद्रास मे लागु
- पूरे द.भारत मे लागु
- 51%
  - ↓ दोष

महालवाड़ी तथा :- मैकेंजी

महाल - ग्राम समूह

1820- प्रस्ताव रखा

1822- लागू कर दिया

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING